आजिविका संवर्द्धन (Livelihood Promotion)

महाराणा प्रताप अध्ययन एवं जन कल्याण संस्थान जयपुर आरम्भ से आजिविका संवर्द्धन की दिशा में कार्य कर रही है। इस हेतु लोगों को स्वरोजगार प्रशिक्षण प्रदान कराये गये हैं वहीं स्वयं सहायता समूह बनाकर उन्हें वित्तीय सहायता तथा गरीबी से सामूहिक रूप से लड़ने की पहल की है।

स्वयं सहायता समूह की बैठक का एक दृश्य

जयपुर जिले के जमवारामगढ़ तहसील के नायला, कांवरियों की ढ़ाणी, गिला की नांगल, सालेरा में महिलाओं एवं पुरूषों के स्वयं सहायता समूहों का गठन किया गया। इन्हें कौशल विकास प्रशिक्षण, तकनीकी उन्नयन प्रशिक्षण, डिजाईन डवलपमेंट प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाया गया। सभी महिला–पुरूष अब प्रशिक्षण के पश्चात् व्यसायिक रूप से कार्य दक्ष हैं व गोटा–पत्ती व जरदोजी कार्य के साथ ही आरी–तारी का कार्य भी पूरे कौशल से कर रहे है, जिसके कारण न केवल उनकी मजदूरी में बढ़ोतरी हुई है, बल्कि अब वे पांरम्परिक डिजाइनों के अतिरिक्त बाजार मांग के अनुसार आरी–तारी व अन्य विधाओं व डिजाइनों का सुमेल कर नये व बेहतर उत्पाद निर्मित कर रहे हैं एवम् पूर्व की अपेक्षा अब मध्यस्थों की भागीदारी न के बराबर रह गई है। लाभान्वित महिला–पुरूषों में से कई ने स्वयं के लधु कारखाने स्थापित कर लिये हैं, व महिला–पुरूषों को भी प्रत्यक्ष रोजगार उपलब्ध करा रहें हैं। कुछ प्रमुख महिलाओं से सबंधित सूचनाएं निम्न हैं।

1. महिला का नाम : श्रीमती संतोष देवी, पत्नी श्री सूरज मल, उम्र 35 वर्ष
   संतान 2, शैक्षणिक योग्यता : मिडिल स्तर

पूर्व में उक्त महिला कारखानों में मजदूरी किया करती थी, आज स्वंय का कारखाना व अन्य कई महिला महिलाओं को प्रत्यक्ष रोजगार दे रही है। स्वंय की आय 10 से 15 हजार मासिक तथा प्रशिक्षण केन्द्र का संचालन भी कर रही हैं तथा बच्चों को अंग्रेजी माध्यम में पढ़ा रही हैं।

2. महिला का नाम : श्रीमती राजू देवी, पत्नी श्री रामफूल, उम्र 26 वर्ष
   संतान 2, शैक्षणिक योग्यता : दसवीं तक

पूर्व में खेतों में मजदूरी का कार्य किया करती थी, आर्थिक जीवन स्तर निम्न था। आज स्वंय का कारखाना व अन्य कई महिला महिलाओं को प्रत्यक्ष रोजगार दे रही है। स्वंय की मासिक आय 10 से 12 हजार।

3. महिला का नाम : श्रीमती मीरा देवी, पत्नी श्री मांगी लाल, उम्र 32 वर्ष
संतान 3, शैक्षणिक योग्यता : साक्षर।

पूर्व में उक्त महिला चमड़े के प्रसंसाधन के कार्य में पति के साथ मजदूरी करती थी, आज स्वंय का कारखाना व अन्य कई महिला महिलाओं को प्रत्यक्ष रोजगार दे रही है। स्वंय की मासिक आय 9 से 10 हजार ।

4. महिला का नाम : श्रीमती शाना देवी, पत्नी श्री मदन लाल, उम्र 30 वर्ष
संतान 2, शैक्षणिक योग्यता : साक्षर।

पूर्व में उक्त खेतों में मजदूरी किया करती थी, आज स्वंय का कारखाना व अन्य कई महिला महिलाओं को रोजगार दे रही है। स्वंय की मासिक आय 8 से 10 हजार।

5. महिला का नाम : श्रीमती प्रेम देवी, पत्नी श्री गोवर्धन, उम्र 28 वर्ष
संतान 3, शैक्षणिक योग्यता : साक्षर।

पूर्व में उक्त महिला खेतों में मजदूरी किया करती थी, आज स्वंय का कारखाना व अन्य कई महिला महिलाओं को प्रत्यक्ष रोजगार दे रही है। स्वंय की मासिक आय 10 से 15 हजार मासिक। बच्चों को उच्च शिक्षा दिला रहीं हैं। तथा पूर्व की अपेक्षा वर्तमान में आर्थिक जीवन स्तर उत्तरोत्तर सुधार कर रहा है।

6. महिला का नाम : श्रीमती इन्द्रा देवी, पत्नी श्री सूरेश चन्द्र, उम्र 34 वर्ष
संतान 3, शैक्षणिक योग्यता : आठवीं।

पूर्व में उक्त महिला कारखानों में गोटा–पत्ती का कार्य मजदूरी पर किया करती थी, आज स्वंय का कारखाना व अन्य कई महिला महिलाओं को प्रत्यक्ष रोजगार दे रही है। स्वंय की मासिक आय 12 से 14 हजार मासिक तथा अपने बच्चों को स्नात्कोत्तर की शिक्षा उच्च शिक्षण संस्थानों से दिला रही हैं।

7. महिला का नाम : श्रीमती अनोखी देवी, पत्नी श्री किशन लाल, उम्र 27 वर्ष
संतान 2, शैक्षणिक योग्यता : आठवीं तक।

पूर्व में उक्त महिला कारखानों में गोटा–पत्ती का कार्य मजदूरी पर किया करती थी, आज स्वंय का कारखाना व अन्य कई महिला महिलाओं को प्रत्यक्ष रोजगार दे रही है। स्वंय की मासिक आय 8 से 10 हजार।

8. महिला का नाम : श्रीमती पुष्पा देवी, पत्नी श्री जयनारायण, उम्र 32 वर्ष
संतान 2, शैक्षणिक योग्यता : आठवीं तक।

पूर्व में उक्त महिला कारखानों में गोटा–पत्ती का कार्य मजदूरी पर किया करती थी, आज स्वंय का कारखाना व अन्य कई महिला महिलाओं को प्रत्यक्ष रोजगार दे रही है। स्वंय की मासिक आय 8 से 9 हजार।

9. महिला का नाम : श्रीमती अन्नू देवी, पत्नी श्री औंकार मल, उम्र 24 वर्ष
संतान 1, शैक्षणिक योग्यता : दसवीं तक।

पूर्व में उक्त महिला कारखानों में गोटा–पत्ती का कार्य मजदूरी पर किया करती थी, आज स्वंय का कारखाना व अन्य कई महिला महिलाओं को प्रत्यक्ष रोजगार दे रही है। स्वंय की मासिक आय 8 से 10 हजार।

10. महिला का नाम : श्रीमती नरसी देवी, पत्नी : परित्यक्ता, उम्र 25 वर्ष
संतान नहीं, शैक्षणिक योग्यता : साक्षर तक।

पूर्व में उक्त महिला घरों में मजदूरी पर कार्य किया करती थी, आज कारखानों में आरी–तारी व जरदोजी का कार्य कर सम्मान जनक सामाजिक व आर्थिक जीवनयापन कर रही है, मासिक आय 5 से 8 हजार।

इसी प्रकार दौसा जिले के बालाहैड़ी में महिला पुरूषों के अलग अलग स्वयं सहायता समूहों का गठन किया गया। महिला–पुरूषों को कौशल विकास प्रशिक्षण, प्रोडक्ट डवल्पमेंट प्रशिक्षण दिया गया जिससे उनकी कार्य क्षमता में वृद्धि हुई और साथ ही नये उत्पादों को सीखने का अवसर मिला। इसके अतिरिक्त राज्य

स्तरीय, राष्ट्रीय स्तरीय मेले प्रदर्शनियों में भेजा गया ताकि उन्हें बाजार में माल को बेचने की जानकारी मिले तथा नये डिजाइनों से रूबरू हो सकें। राज्य के बाहर

अलीगढ़, हाथरस, मथुरा, मुरादाबाद, रामनगर तथा रेवाड़ी एवं राज्य के भिवाड़ी, तिजारा एवं अलवर में दस्तकारों को पीतल नक्काशी करने वाली महिलाओं से रूबरू कराया गया। इस तरह के भ्रमणो के आयोजन से दस्तकारों को न सिर्फ बाहर निकलने का मौका मिला है वरन् विभिन्न शहरों में अलग–अलग तरह के नक्काशी से सम्बन्धित कार्यों की जानकारी एवं वहां पर कार्य कर रहे महिलाओं से रूबरू होने का मौका भी मिला है। बालाहैड़ी के महिला पुरूष सिर्फ एक ही विधा में निपुण थे मगर संस्थान ने उन्हें प्रशिक्षण प्रदान कर हर प्रकार की कला में निपुण किया। जिससे उनकी कार्यक्षमता में वृद्धि हुई और उनके उत्पादों को पहचान मिली।